SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
Nos. 7-8 (Oct-Dec 2001 - Jan-Mar 2002)
TOC Provided by Center for Research Libraries

आलोचना

त्रैमासिक

2002

सहस्राब्दी अंक *सात-आठ*

अक्टूबर-दिसंबर 2001—जनवरी-मार्च 2002

प्रधान सम्पादक

नामवर सिंह

सम्पादक

परमानन्द श्रीवास्तव

कला सम्पादक

हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक

अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

यह अंक : 5

जो पीवे नीर नैना का : **देवीप्रसाद मिश्र** 7

कथा-परिदृश्य

साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद और उपन्यास : **सुधीर चन्द्र** 9
नारी का उपन्यास बनाम उपन्यास की नारी : **वीरेन्द्र यादव** 18
कथा की अदृश्य दीवार फाँदते हुए : **रमेश दवे** 30
उपन्यासों में आसपास : **प्रियदर्शन** 37
कथा, कथान्तर और कथोपरान्त काशी का अस्सी : **प्रफुल्ल कोलख्यान** 41
त्रासद और हास्यास्पद के बीच कथा का यथार्थ : **परमानन्द श्रीवास्तव** 47
औसतपन में : औसतपन के बावजूद : **कपिल देव** 52
अन्तिम दशक की कहानी : एक परिदृश्य : **शम्भु गुप्त** 62
स्मृति का विश्लेषण और विन्यास भी : **अरुण प्रकाश** 80
नोटबुक से : 'दॉन किखोते' में आंशिक जादूगरी : **ख़ोर्ख़े लुई बोर्ख़ेस** 85

'पूस की रात' : पुनश्च : **केदारनाथ सिंह** 88

स्मरण

'नेग्रीट्यूड' की अवधारणा और लियोपोल्द सेंघोर : **गिरीश मिश्र** 90
अफ्रीकी कविता का शताब्दी पुरुष : (टिप्पणी और कविताएँ) : **सुरेश सलिल** 93

सृजन-परिदृश्य

संजय कुन्दन की कविताएँ 97

आलोचना-परिदृश्य

संस्कृति-उद्योग पर पुनर्विचार : **थियोडोर डब्ल्यू एडोर्नो** 107
उपन्यास की सैद्धान्तिकी : कुछ विचारसूत्र : **भालचन्द्र नेमाड़े** 113
टेक्नोलॉजी, जन-संस्कृति और साहित्य : **जितेन्द्र भाटिया** 122
आधुनिकता के महाख्यान और मुक्तिबोध : **शम्भुनाथ** 129
कामायनी : उपभोक्तावादी संस्कृति की आलोचना : **श्रीभगवान सिंह** 150
कहानी का पाठ : कहानी के निहितार्थ : **रमेश उपाध्याय** 159
साहित्य और फिल्म के अन्तर्सम्बन्ध : **विनोद दास** 168